an>

Title: Regarding import of incense sticks from China and Vietnam .

श्री अरविंद सावंत (मुम्बई दक्षिण) : अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभार प्रकट करता हूं।

अब त्यौहारों के दिन आ गये हैं। वैसे तो हम सारे हिंदुस्तानी पूजा-पाठ करते हैं और हर पूजा-पाठ में हम अगरबत्ती जलाते हैं। यह विषय बहुत गम्भीर है, क्योंकि हमारे हिंदुस्तान में वियतनाम और चाइना से अगरबत्तियां आ रही हैं तथा त्यौहारों के समय हम जो दियासलाई जलाते हैं, वे सब भी इन्हीं देशों से आती हैं। इसमें दो चीजें हो रही हैं, एक तो चाइना और वियतनाम दोनों देश इन दोनों चीजों की अंडरवैल्युएशन करते हैं, यानी कम दाम बताते हैं। उसकी वजह से हमारा रेवेन्यू डूबता है, क्योंकि इन पर ड्यूटी कम लगती है। दूसरी तरफ जो अगरबत्तियां आ रही हैं, उनमें सिट्रोनेला और लैमन ग्रास नाम की जो अगरबत्तियां हैं, वे सभी को भाती हैं, लेकिन उन अगरबत्तियों में न सिट्रोनेला होता है और न उनमें लैमन ग्रास होती है। उनमें हार्मफुल कैमिकल एलेथ्रिन और लैड होता है, जिसकी वजह से जो लोग उस धुएं और सुगंध को ले रहे हैं, उनके शरीर पर इसके दुष्परिणाम होते हैं, लेकिन दुर्भाग्यवश इसके ऊपर किसी का ध्यान नहीं गया है।

मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करता हूं, क्योंकि अब त्यौहारों के दिन आयेंगे और इन चीजों का इस्तेमाल बहुत ज्यादा होगा, इसलिए चाइना और वियतनाम से आने वाले खिलौने तथा सुशोभन करने वाली फूल वगैरह जो चीजें हमारे देश में आ रही हैं, सरकार उनके ऊपर तुरंत ध्यान दें और खासकर अगरबत्तियों में जो कैमिकल का यूज़ हो रहा है, जिनके दुष्परिणाम मानव के शरीर पर होते हैं, उन्हें यहां आने से रोके, यही मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

श्री आलोक संजर,

डा.मनोज राजोरिया,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे,

श्रीमती ज्योति धुर्वे,

श्री शरद त्रिपाठी,

श्री रबीन्द्र कुमार जेना तथा

श्री राहुल रमेश शेवाले को श्री अरविंद सावंत द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।